विश्व क्वांटम दिवस 2024

सुर्ख़ियों में क्यों?

- भारत ने क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक नेता बनने की आकांक्षा के साथ 14 अप्रैल, 2024 को विश्व क्वांटम दिवस 2024 मनाया।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- दुनिया भर में जनता के बीच क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूकता और सराहना को आगे बढ़ाने के लिए, 2022 में एक अंतरराष्ट्रीय पहल की गई, जिसे हर साल 14 अप्रैल को विश्व क्वांटम दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- भारत का राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) पिछले अनुसंधान एवं विकास पहलों के माध्यम से निर्मित राष्ट्रीय शक्तियों का लाभ उठाकर और उन्हें केंद्रित और निर्देशित तरीके से और मजबूत करके भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा।
- प्रधान मंत्री विज्ञान प्रौद्योगिकी सलाहकार परिषद (पीएम-एसटीआईएसी) द्वारा परिकल्पित राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) को आठ वर्षों की अवधि के लिए 6003.65 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ 19 अप्रैल, 2023 को कैबिनेट की मंजूरी मिली।
- मिशन का लक्ष्य वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना, बढ़ावा देना और बढ़ाना और क्वांटम टेक्नोलॉजी (क्यूटी) में एक जीवंत और अभिनव पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।
- इससे क्यूटी के नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि में तेजी आएगी, देश में पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण होगा और भारत क्यूटी और अनुप्रयोगों के विकास में अग्रणी देशों में से एक बन जाएगा।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है, एनक्यूएम एक हब-स्पोक-स्पाइक मॉडल के माध्यम से सुव्यवस्थित और सहक्रियात्मक प्रयासों की परिकल्पना करता है, जिसमें उत्कृष्टता केंद्र (सीओई), कंसोर्टिया परियोजनाएं, व्यक्तिगत वैज्ञानिक-केंद्रित परियोजनाएं आदि शामिल हैं।
- मिशन का लक्ष्य (i) क्वांटम कंप्यूटिंग, (ii) क्वांटम कम्युनिकेशन, (iii) क्वांटम सेंसिंग एंड मेट्रोलॉजी, और (iv) क्वांटम मैटेरियल्स एंड डिवाइसेस जैसे डोमेन में

चार थीमैटिक हब (टी-हब) स्थापित करना है। शैक्षणिक संस्थानों और अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं से योगदान आमंत्रित करते हुए 20 जनवरी, 2024 को टी-हब स्थापित करने के लिए पूर्व-प्रस्तावों का आह्वान किया गया था।

मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (MPATGM)

खबरों में क्यों?

- रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ते हुए हाल ही में स्वदेशी रूप से विकसित मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) हथियार प्रणाली का सफलतापूर्वक फील्ड परीक्षण किया।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) हथियार प्रणाली का प्रौद्योगिकी को उच्च श्रेष्ठता के साथ साबित करने के उद्देश्य से कई बार विभिन्न उड़ान विन्यासों में मूल्यांकन किया गया है।

- भारतीय सेना ने स्वदेशी रूप से विकसित मानव-पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) हथियार प्रणाली का सफलतापूर्वक फील्ड परीक्षण किया है, जिससे इसे बल के शस्त्रागार में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।
- प्रौद्योगिकी को उच्च श्रेष्ठता के साथ साबित करने के उद्देश्य से एमपीएटीजी हथियार प्रणाली का कई बार विभिन्न उड़ान विन्यासों में मूल्यांकन किया गया है।
- पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में वॉरहेड उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। मिसाइल प्रदर्शन और वॉरहेड प्रदर्शन उल्लेखनीय पाए गए।
- हथियार प्रणाली दिन और रात दोनों में संचालन के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है।
- डुअल मोड सीकर कार्यक्षमता टैंक युद्ध के लिए मिसाइल क्षमता के लिए एक महान मूल्यवर्धन है।
- इसके साथ, प्रौद्योगिकी विकास और सफल प्रदर्शन संपन्न हो गया है और सिस्टम अब अंतिम उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षणों के लिए तैयार है जो भारतीय सेना में शामिल होने की ओर अग्रसर है।
- रक्षा प्रणाली विकास में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

134 वें डॉ. बीआर अंबेडकर जयंती

खबरों में क्यों?

- 134वें डॉ. अम्बेडकर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, सरकार की ओर से डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन (डीएएफ) द्वारा 14 अप्रैल, 2024 को जयंती मनाई गई । भारत के संसद भवन लॉन में डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के पास ।

अंबेडकर के बारे में अधिक जानकारी

- डॉ. भीम राव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को हुआ था, वह अपने माता-पिता की 14वीं और आखिरी संतान थे।
- डॉ. अम्बेडकर ने अपनी स्नातक की पढ़ाई एल्फिन्स्टन कॉलेज, बॉम्बे से पूरी की, जिसके लिए उन्हें महामहिम सयाजीराव से छात्रवृत्ति मिल रही थी। बड़ौदा के गायकवाड़ .
- चिमनलाल के साथ दलित वर्गों के कल्याण के लिए एक एसोसिएशन शुरू की सीतलवाड को अध्यक्ष और डॉ. अम्बेडकर को अध्यक्ष बनाया गया। शिक्षा का प्रसार करना, आर्थिक स्थिति में सुधार करना और दलित वर्गों की शिकायतों का प्रतिनिधित्व करना एसोसिएशन का तात्कालिक उद्देश्य था।
- नए सुधार के मद्देनजर दलित वर्गों के मुद्दों को संबोधित करने के लिए 3 अप्रैल, 1927 को बहिष्कृत भारत समाचार पत्र शुरू किया गया था ।
- 15 अगस्त, 1936 को उन्होंने दलित वर्गों के हितों की रक्षा के लिए इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी का गठन किया, जो

ज्यादातर श्रमिक आबादी थी।

- लेबर सदस्य के रूप में भारत के गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद में नियुक्त किया गया , 1946 में, वह बंगाल से संविधान सभा के लिए चुने गए। उसी समय उन्होंने अपनी पुस्तक ' शूद्र कौन थे ?' प्रकाशित की।
- आज़ादी के बाद, 1947 में, उन्हें नेहरू की पहली कैबिनेट में कानून और न्याय मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। लेकिन 1951 में उन्होंने कश्मीर मुद्दे, भारत की विदेश नीति और हिंदू कोड बिल के प्रति नेहरू की नीति पर अपने मतभेद व्यक्त करते हुए अपने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।
- 6 दिसंबर 1956 को उनकी मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु तिथि को महापरिनिर्वाण के रूप में मनाया जाता है देशभर में दिवस .
- उन्हें 1990 में मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान , भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

दोहरा कराधान बचाव समझौता (डीटीएए)

खबरों में क्यों?

- हाल ही में, भारत और मॉरीशस ने दोहरे कराधान बचाव समझौते (डीटीएए) में संशोधन के लिए एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें यह तय करने के लिए एक प्रमुख उद्देश्य परीक्षण (पीपीटी) शामिल है कि कोई विदेशी निवेशक संधि लाभों का दावा करने के लिए पात्र है या नहीं।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- प्रोटोकॉल में एक नया लेख जोड़ा गया है "अनुच्छेद 27बी लाभ का अधिकार"। संशोधित प्रोटोकॉल पर 7 मार्च को हस्ताक्षर किए गए और अब इसे सार्वजनिक किया गया है।
- पीपीटी की शुरूआत का उद्देश्य यह सुनिश्चित करके कर से बचाव को कम करना है कि संधि लाभ केवल वास्तविक उद्देश्य वाले लेनदेन के लिए ही दिए जाते हैं।
- यह संशोधन, विशेष रूप से बीईपीएस एक्शन 6 ढांचे के तहत, संधि के दुरुपयोग के खिलाफ वैश्विक प्रयासों के साथ जुड़ने के भारत के एक कदम का प्रतिनिधित्व करता है।
- हालाँकि, पुराने निवेशों के लिए पीपीटी का अनुप्रयोग अस्पष्ट बना हुआ है, जो सीबीडीटी से स्पष्ट मार्गदर्शन की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।
- इसके अलावा, संधि की प्रस्तावना में "पारस्परिक व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए" वाक्यांश का छूटना द्विपक्षीय निवेश प्रवाह को बढ़ावा देने के बजाय कर चोरी को रोकने की दिशा में ध्यान केंद्रित करने का सुझाव देता है।
- यह विकास भारत-मॉरीशस गलियारे का लाभ उठाने वाले निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण विचारों को बढ़ाते हुए अंतर्राष्ट्रीय कर सहयोग मानकों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।
- पीपीटी का प्रभाव संधि लाभों से इनकार करने पर होगा, जैसे कि ब्याज रॉयल्टी और लाभांश पर रोक कर में कमी, जहां सभी प्रासंगिक तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष

निकालना उचित है कि संधि लाभ प्राप्त करना मूलधन में से एक है उक्त संधि पर भरोसा करने की इच्छुक पार्टी के उद्देश्य।

- ऐतिहासिक रूप से, 2016 तक भारतीय कंपनियों में शेयरों की बिक्री से पूंजीगत लाभ की गैर-कर देयता के कारण मॉरीशस भारत में निवेश में संलग्न होने के लिए एक पसंदीदा क्षेत्राधिकार रहा है।
- 2016 में, भारत और मॉरीशस ने एक संशोधित कर समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसने 1 अप्रैल, 2017 से शुरू होने वाले द्वीप राष्ट्र के माध्यम से शेयरों में लेनदेन पर भारत में पूंजीगत लाभ पर कर लगाने का अधिकार दिया।

प्रयास IAS ACADEMY
An Institute for UPSC & BPSC
prayasiasacademy
prayasiasacademy
prayasiasacademy.com

By
MUKESH SAHAY
Most Trusted Name For History Optional In India With 27 Years Of Experience

HISTORY OPTIONAL
FOUNDATION COURSE
• English Medium • Hindi Medium
ADMISSION OPEN
upto 50% OFF*
More info Call us:
8818810183 | 8818810184

ATTENTION
UPSC / BPSC Aspirants
Boost your AIR with
GS TARGET COURSE
FOR BPSC & UPSC
हिंदी माध्यम | ENGLISH MEDIUM
MODE: Offline & Online
ADMISSION OPEN upto 50% OFF*

प्रयास IAS ACADEMY
An Institute for UPSC & BPSC